भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1784 का उत्तर

श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़-सादुलपुर-रेवाड़ी-दिल्ली के बीच कनेक्टिविटी

1784. श्री कुलदीप इंदौरा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को दैनिक यात्रियों, नियोजित व्यक्तियों, छात्रों, व्यापारियों और अन्य यात्रियों की सुविधा के लिए श्री गंगानगर-हनुमानगढ़-सादुलपुर-रेवाड़ी-दिल्ली खंड पर इंटरसिटी रेल सेवा की लंबे समय से लंबित मांग की जानकारी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या रेलवे ने इस संबंध में जन प्रतिनिधियों से प्राप्त प्रस्तावों और अनुरोधों के संबंध में कोई सर्वेक्षण या व्यवहार्यता अध्ययन कराया है और यदि हां, तो इसके मुख्य निष्कर्ष क्या हैं;

(ग) क्या सरकार सुबह श्रीगंगानगर से और शाम को दिल्ली से दैनिक इंटरसिटी रेल सेवा शुरू करने पर विचार कर रही है; और

(घ) यदि हां, तो प्रस्तावित मार्ग, समय-सीमा और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): वर्तमान में, श्री गंगानगर स्टेशन 06 जोड़ी रेलगाड़ियों द्वारा दिल्ली से सीधे जुड़ा हुआ है, जिसमें श्री गंगानगर-हनुमानगढ़-सादुलपुर-रेवाड़ी-दिल्ली खंड के रास्ते चलने वाली 14727/14728 श्री गंगानगर-तिलक ब्रिज एक्सप्रेस की 01 जोड़ी रेलगाड़ी शामिल है। रेलगाड़ी सेवाओं की सूची निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	रेलगाड़ी संख्या एवं नाम
1	12439/12440 नांदेड़-श्री गंगानगर एक्सप्रेस
2	12455/12456 दिल्ली सराय रोहिल्ला-बीकानेर एक्सप्रेस
3	12481/12482 दिल्ली-श्री गंगानगर एक्सप्रेस
4	12485/12486 नांदेड़-श्री गंगानगर एक्सप्रेस
5	14029/14030 श्री गंगानगर-दिल्ली एक्सप्रेस
6	14727/14728 श्री गंगानगर-तिलक ब्रिज एक्सप्रेस

अन्य बातों के साथ-साथ रेलगाड़ी सेवाओं की शुरुआत हेतु संसद सदस्यों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि से औपचारिक और अनौपचारिक दोनों रूपों में रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते हैं। चूंकि, ऐसे प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव की प्राप्ति एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए ऐसे अनुरोधों का केन्द्रीकृत सार-संग्रह नहीं रखा जाता है। हालांकि, इनकी जांच की जाती है और व्यवहार्य एवं औचित्यपूर्ण पाए जाने पर समय-समय पर कार्रवाई की जाती है, जो एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

इसके अतिरिक्त, किसी मार्ग/खंड पर नई रेलगाड़ी सेवाओं की शुरूआत, एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो कि विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें शामिल हैं-

- उस खंड की क्षमता
- पथ की उपलब्धता
- अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता
- चल स्टॉक के लिए समान अवसंरचना की उपलब्धता
- रेलपथों और अन्य परिसंपत्तियों के अनुरक्षण की आवश्यकता
- खंड की अधिभोगिता और यातायात मांग।

******